सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 151 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 7 जुलाई, 2022
मूल्य ₹ 3/-

सहिष्णुता के अभ्यास में आपका शत्रु ही आपका सबसे अच्छा शिक्षक होता है।
-दलाई लामा

मथुरा को इंदौर जैसा स्वच्छ... 8 | नये अध्यक्ष पर उलझन में भाजपा... 3 | फिर डराने लगा कोरोना, 24 घंटे... 7

नई शिक्षा नीति देगी नई दिशा, तैयार न करें सिर्फ डिग्रीधारी युवा : मोदी

शिक्षा को संकुचित सोच से बाहर निकालना राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार

» पीएम ने काशी में अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम में शिक्षाविदों को किया संबोधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज काशी के रुद्राक्ष कंवेंशन सेंटर में आयोजित अखिल भारतीय शिक्षा समागम कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति का मूल आधार शिक्षा को संकुचित सोच के दायरों से बाहर निकालना और उसे 21वीं सदी के आधुनिक विचारों से जोड़ना है। नई शिक्षा नीति देश को नई दिशा देगी और शिक्षाविद् व शिक्षण संस्थाएं केवल डिग्रीधारी युवाओं को तैयार न करें।

उन्होंने कहा कि ये समागम ऐसे समय हो रहा है, जब देश अपनी आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। अमृत काल में देश के अमृत संकल्पों को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी हमारी शिक्षा व्यवस्था और युवा पीढ़ी पर है। काशी को मोक्ष की नगरी इसलिए कहते हैं क्योंकि यहां मुक्ति का एकमात्र मार्ग ज्ञान को ही माना गया है इसलिए शिक्षा और शोध का, विद्या और बोध का मंथन, जब सर्व विद्या

के प्रमुख केंद्र काशी में होगा तो इससे निकलने वाला अमृत अवश्य देश को नई दिशा देगा। उन्होंने कहा कि शिक्षण संस्थानों को खुद से पूछना होगा कि क्या वे भविष्य के लिए तैयार हैं। हम केवल डिग्रीधारी युवा तैयार न करें बल्कि देश को आगे बढ़ने के लिए जितने भी मानव संसाधनों की जरूरत हो, उसे हमारी शिक्षा व्यवस्था देश को दे। देश में मेधा की कोई कमी नहीं रही है लेकिन दुर्भाग्य से ऐसी व्यवस्था बनाई गई थी जिसमें पढ़ाई का मतलब केवल नौकरी ही माना गया था। गुलामी के समय अंग्रेजों ने ऐसी शिक्षा का विकास केवल अपने लिए एक सेवक बनाने के लिए किया था। आजादी के बाद थोड़ा बदलाव हुआ लेकिन ज्यादा रह गया। अंग्रेजों का बनाई व्यवस्था भारत की शिक्षा व्यवस्था नहीं थी। बनारस तो इसका जीवंत उदाहरण है। यहां की बहुआयामी व्यवस्था ही हमारी शिक्षा का केंद्र होना चाहिए।

सौगातों की बारिश

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी को कई सौगातें दीं। उन्होंने 1774.34 करोड़ की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण तथा शिलान्यास किया। पीएम मोदी वाराणसी में 553.76 करोड़ की 30 परियोजनाओं का लोकार्पण व 1220.58 करोड़ की 13 परियोजनाओं का शिलान्यास किया।

प्रदेश में प्रभावी ढंग से लागू की जा रही है राष्ट्रीय शिक्षा नीति : सीएम योगी

अखिल भारतीय शिक्षा समागम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति को प्रदेश सरकार स्नातक स्तर पर लागू कर चुकी है। हर क्षेत्र में इसे प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने का काम किया जा रहा है। यह व्यापक संभावनाओं का क्षेत्र है। शिक्षण संस्थाओं को छात्र-छात्राओं को शासन की योजनाओं से जोड़ना होगा। इससे छात्रों के सामने अनंत द्वार खुलेंगे।

अक्षय पात्र रसोई का किया लोकार्पण

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के दौरे पर आज अक्षय पात्र रसोई का लोकार्पण किया। इस दौरान उन्होंने बच्चों से संवाद भी किया। यह देश में अक्षय पात्र की 62वीं और उत्तर प्रदेश में पांचवीं रसोई है। यह फाउंडेशन को प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण (पीएम पोषण) पूर्व में मध्याह्न भोजन (एमडीएम) योजना के माध्यम से 100,000 से अधिक बच्चों के जीवन को सकारात्मक रूप से प्रभावित करने में सक्षम बनाएगा। अक्षय पात्र फाउंडेशन की ओर से अर्दली बाजार के एलटी कालेज परिसर में स्थापित है। पहले चरण में सेवापुरी ब्लाक के 48 परिषदीय विद्यालयों के 27000 बच्चों को मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराया जाएगा।

हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम

पीएम मोदी ने कहा कि नए भारत के निर्माण के लिए नई व्यवस्थाओं का निर्माण, आधुनिक व्यवस्थाओं का समावेश उतना ही जरूरी है जो पहले कभी भी नहीं हुआ, जिनकी देश पहले कभी कल्पना भी नहीं करता था, वो आज के भारत में हकीकत बन रहे हैं। आज हम दुनिया के तीसरे सबसे बड़े स्टार्टअप इकोसिस्टम हैं। स्पेस टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में जहां पहले केवल सरकार ही सब करती थी वहां अब प्राइवेट प्लेयर्स के जरिए युवाओं के लिए नई दुनिया बन रही है।

अल्ट न्यूज के सह-संस्थापक जुबैर ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

» कहा, जान से मारने की मिल रही है धमकियां, सुनवाई कल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। अल्ट न्यूज के सह-संस्थापक मोहम्मद जुबैर ने यूपी पुलिस की ओर से अपने खिलाफ दर्ज एफआईआर को रद्द कराने के लिए सुप्रीम कोर्ट का रुख किया है। शीर्ष अदालत ने उनकी अर्जी को स्वीकार कर लिया है और कल सुनवाई का फैसला लिया है।

यति नरसिंहानंद सरस्वती समेत कई लोगों को नफरत फैलाने वाला बताते हुए मोहम्मद जुबैर ने एक ट्वीट किया था, जिस पर यूपी पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जेके माहेश्वरी ने इस पर कल सुनवाई का फैसला लिया है। मोहम्मद जुबैर के वकील कोलिन गोंजाल्विस ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि इस पर तत्काल सुनवाई करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मेरे मुवक्किल को लगातार जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं।

सीतापुर की अदालत में पेश

मोहम्मद जुबेर को यूपी पुलिस ने आज सीतापुर कोर्ट में पेश किया जहां से उनको 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। उन पर धार्मिक भावनाओं को भड़काने का केस दर्ज किया गया है। जुबेर को खैराबाद के महंत बजरंग मुनि के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करने के मामले में सोमवार को दिल्ली से सीतापुर जिला न्यायालय लाया गया। इस मामले में एक हिंदूवादी संगठन के जिलाध्यक्ष भगवान शरन ने खैराबाद थाने में पिछले महीने केस दर्ज कराया था।

छात्रों के आक्रोश से डरी भाजपा, शुरू कर रही अक्षय पात्र योजना : अखिलेश

» सपा के प्रस्तावित सभी जगहों पर शुरू की जाए यह व्यवस्था

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आज वाराणसी में अक्षय पात्र किचन के उद्घाटन को लेकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि छात्रों और युवाओं के आक्रोश से डरकर भाजपा ने योजना की शुरूआत की है। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार इसे सपा के समय प्रस्तावित सभी 11 जगहों पर शुरू करे।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया कि सपा के समय छात्रों को पौष्टिक व गर्म आहार के लिए शुरू की गयी 'अक्षय पात्र योजना' को पिछले पांच साल में भाजपा सरकार ने बंद रखा पर अब भाजपा के खिलाफ छात्रों व युवाओं के आक्रोश से डरकर ये योजना भाजपा सरकार मजबूर होकर शुरू कर रही है। उन्होंने आगे लिखा कि सपा के समय प्रस्तावित सभी 11 जगहों पर ये शुरू हो।

भाजपा सरकार ने पांच साल से बंद कर रखी थी योजना

गौरतलब है कि पीएम मोदी ने अक्षय पात्र के मेगा किचन का आज शुभारंभ किया है। जहां बच्चों के लिए अत्याधुनिक मशीनों से गरमा गर्म भोजन तैयार किया जाएगा। यह भोजन सेवापुरी के 124 स्कूलों के 25 हजार बच्चों तक खास गाड़ियों से पहुंचाया जाएगा। तीन एकड़ में तैयार इस किचन की क्षमता एक लाख बच्चों तक खाना पहुंचाने की है। इसके तहत जिले में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों को अक्षय पात्र की ओर से गर्म और ताजा भोजन परोसा जाएगा। इससे अब न तो मिड-डे-मील के लिए खाना बनाने का झंझट होगा न रसोइए का।

अब निकायों से जुड़ी शिकायतों के लिए डायल करें 1533

» नगर विकास मंत्री ने किया टोल फ्री नंबर का शुभारंभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकायों से संबंधित समस्याओं के निस्तारण के लिए अब नागरिकों को भटकना नहीं पड़ेगा। प्रदेश के सभी शहरों में रहने वाले नागरिक अब घर बैठे ही अपनी शिकायतें टोल फ्री नबंर 1533 पर दर्ज करा सकते हैं। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने बुधवार को स्थानीय निकाय निदेशालय में टोल फ्री नंबर का शुभारंभ किया है। टोल फ्री नंबर शुरू होने से निदेशालय में स्थापित 'डेडिकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर'(डीसीसीसी) और प्रभावी तरीके से काम कर सकेगा।

इस मौके पर नगर विकास मंत्री ने बताया कि टोल फ्री नंबर पर नागरिक सुबह 5 बजे से रात 9 बजे तक समस्याएं दर्ज करा सकेंगे। आगे चलकर इस सेवा को प्रत्येक दिन 24 घंटे कर दिया जाएगा। इस नंबर पर शिकायतें दर्ज कराने के लिए की जाने वाली काल स्वत: संबंधित नगर निकायों के कॉल सेंटर में स्थानांतरित हो जाएगी। यदि 1533 पर समस्या का निस्तारण

नहीं किया जाता है तो वह काल लखनऊ स्थित डेडिकेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में ट्रांसफर कर दी जाएगी, जहां से समस्या का समाधान कराया जाएगा। मंत्री ने कहा कि जो भी अधिकारी टोल फ्री नंबर नहीं उठाएगा, उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। टोल फ्री नंबर नहीं उठने पर कॉल डीसीसीसी आएगी तो संबंधित नगर निकाय की जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि नगर निकायों के काल सेंटर पर दर्ज होने वाली शिकायतों और उसके निस्तारण पर निदेशक स्थानीय निकाय खुद नजर रखेंगी।

पहले चरण में 17 नगर निगमों में शुरू होगी सेवा

पहले चरण में इस सेवा को सभी 17 नगर निगमों में लागू किया जाएगा बाद में चरणबद्ध तरीके से अन्य नगर निकायों में भी इसकी शुरुआत की जाएगी। टोल फ्री नंबर पर फिलहाल नागरिक सुविधाओं से संबंधित समस्याओं के बारे में ही शिकायतें दर्ज होंगी। मसलन जलजमाव, कूड़ा निस्तारण, साफ-सफाई, पेयजल आपूर्ति, सीवर और स्ट्रीट लाइट खराब होने से संबंधित शिकायतें दर्ज कराई जाएंगी।

त्यौहारों पर माहौल खराब करने वालों से सख्ती से निपटें : मुख्यमंत्री

» शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ कड़ाई से पेश आएं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फील्ड में तैनात पुलिस अफसरों से कहा कि त्यौहारों के मौके पर माहौल खराब करने वालों से सख्ती से निपटें। शरारतपूर्ण बयान जारी करने वालों के साथ जीरो टॉलरेंस की नीति के साथ कड़ाई से पेश आएं। ऐसे लोगों के लिए सभ्य समाज में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। हर पर्व शांति और सौहार्द के बीच संपन्न हों। इसके लिए स्थानीय जरूरतों को देखते हुए सभी जरूरी प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री पुलिस और प्रशासन के अफसरों के साथ वीसी कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले दिन कानून व्यवस्था की दृष्टि से काफी संवेदनशील रहेंगे। ऐसे में हमें सतर्क और सावधान रहना होगा।

14 जुलाई से सावन माह की शुरुआत हो रही है। इस दौरान परंपरागत कांवड़ यात्रा भी निकलेगी। 26 जुलाई को शिवरात्रि, 31 जुलाई से सावन पूर्णिमा तक अयोध्या का सावन मेला, नागपंचमी और रक्षा बंधन के साथ 10 जुलाई को बकरीद का त्यौहार और जुलाई के अंत में मोहर्रम का महीना भी शुरू होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन पर्वों पर शासन की ओर से सभी जरूरी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। धार्मिक परंपरा और आस्था को सम्मान दें, लेकिन कोई नई व्यवस्था न शुरू होने पाए। आयोजकों को किसी आयोजन की अनुमति देने से पहले शांति व्यवस्था और सौहार्द बनाए रखने के संबंध में हलफनामा लिया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जिस तरह रमजान, अलविदा की नमाज और ईद के मौके पर धार्मिक कार्यों से यातायात प्रवभावित नहीं हुआ उसी व्यवस्था को बकरीद के मौके पर भी लागू रखी जाए। थाने से लेकर मंडल स्तर तक धर्म गुरुओं और समाज के प्रतिष्ठित लोगों से संवाद बनाएं ताकि शांति और सौहार्द का माहौल बना रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बकरीद पर कुर्बानी निश्चित स्थानों पर ही हो। विवादित जगहों पर और प्रतिबंधित जानवरों पर कुर्बानी न हो।

कांवड़ यात्रा आस्था के उत्साह का आयोजन, श्रद्धालुओं का न हो उत्पीड़न

मुख्यमंत्री ने कहा कि कांवड़ यात्रा आस्था के उत्साह का आयोजन है। परंपरागत रूप से नृत्य, गीत, संगीत इसका हिस्सा रहे हैं। ऐसे में श्रद्धालुओं का उत्पीड़न न किया जाए, लेकिन यह सुनिश्चित करें कि डीजे, गीत-संगीत की आवाज निर्धारित मानकों के अनुरूप ही हो और इसमें केवल धार्मिक गीत ही बजाए जाएं। धार्मिक यात्राओं, जुलूसों में अस्त्र-शस्त्र का प्रदर्शन न होने पाए। ऐसी कोई घटना न होए जिससे दूसरे धर्म के लोगों की भावनाएं आहत हों। विशेष अवसरों पर श्रद्धालुओं की संख्या को देखते हुए आवश्यक सेवाओं को छोड़कर बस्ती-अयोध्या मार्ग पर यातायात बंद रखा जाए।

अप्रिय घटनाओं की सूचना पर मौके पर पहुंचे डीएम और कप्तान

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी अप्रिय घटना की सूचना पर बिना देर किए जिलाधिकारी, पुलिस कप्तान खुद मौके पर पहुंचे। संवेदनशील प्रकरणों में वरिष्ठ अधिकारी खुद लीड करें। व्यवस्था बनाए रखने के लिए सेक्टर स्कीम लागू करें। संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि पर्व के मौके पर ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति सुचारू रखी जाए। अनावश्यक कटौती न हो। कांवड़ यात्रा के मार्ग पर जर्जर बिजली के खंभे, झूलते-लटकते बिजली के तार समय से ठीक कर लिए जाएं।

राज्यसभा सांसदों का चुनाव रद्द करने की याचिका खारिज

» सपा समर्थित उम्मीदवार ने दायर की थी याचिका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने वर्ष 2020 में निर्वाचित 10 राज्यसभा सांसदों का चुनाव रद्द करने की याचिका खारिज कर दी है। राज्यसभा चुनाव में सपा समर्थित उम्मीदवार प्रकाश बजाज ने अपना नामांकन निरस्त होने के खिलाफ में चुनाव याचिका दायर की थी। कोर्ट ने कहा कि याची पूरे तौर पर नामित प्रत्याशी नहीं था और न ही वह चुनाव में सम्यक रूप से नामित प्रत्याशी होने का दावा कर सका। इसलिए वह चुनाव याचिका दायर करने लायक नहीं है।

ऐसे में याचिका खारिज की जाती है। न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह ने बुधवार को यह फैसला सुनाया। पहले कोर्ट ने सभी पक्षकारों (नवनिर्वाचित राज्यसभा सदस्यों) को याचिका पर आपत्तियां और अर्जी दाखिल करने का वक्त दिया था। याची ने यह कहते हुए चुनाव रद्द किए जाने का आग्रह किया था कि चुनाव में याची का नामांकन अनुचित तरीके से खारिज किया गया और पक्षकारों के नामांकन को भी अनुचित तरीके से मंजूर किया गया, जो कि कानून की मंशा के खिलाफ था। इससे चुनाव का परिणाम गंभीर रूप से प्रभावित हुआ। उधर याचिका में पक्षकार बनाए गए भाजपा के अरुण सिंह, गीता शाक्य, हरदीप पुरी, हरद्वार दुबे, सीमा द्विवेदी, नीरज शेखर, बृजलाल, बीएल वर्मा समेत सपा के रामगोपाल यादव व बसपा के रामजी की ओर से इसका विरोध किया गया।

पीएम मोदी के मुरीद है मैनपुरी के लोग : साक्षी महाराज

» 2024 में यूपी की सभी सीटें जीतने का दावा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उन्नाव के भाजपा सांसद डॉ. सच्चिदानंद हरि साक्षी महाराज ने कहा कि भारत में बड़ी संख्या में मुसलमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मुरीद हो चुका है। इसके चलते कुछ अलगाववादी लोग और कुछ राजनीतिक पार्टी के नेता माहौल खराब कर रहे हैं। देश का माहौल खराब करने के लिए उन लोगों ने योजनाबद्ध तरीके से नुपुर शर्मा के बयान को उछाला है। साक्षी महाराज मैनपुरी के मोहल्ला गड्ढा स्थित देवराज राजपूत के आवास पर निजी कार्यक्रम में आए थे।

इस दौरान उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव की स्थिति खिसयानी बिल्ली खंबा नोंचे जैसी हो गई है। वह सरकार बनाने तथा खुद को मुख्यमंत्री बनाने के सपने संजो रहे थे, लेकिन परिणाम आने पर धड़ाम से नीचे आ गिरे। उनकी हालत तब और खराब हो गई जब वह आजमगढ़ और रामपुर भी हार गए। सांसद ने दावा किया कि वर्ष 2024 के लोकसभा में भाजपा प्रदेश सभी 80 सीटें जीतेगी। अबकी बार मैनपुरी भी भाजपा के खाते में जाएगी। उन्होंने कहा कि अग्निपथ योजना अच्छी योजना है। युवाओं में बहुत जोश है। युवा यह कहने लगे हैं कि भारत की सेवा के लिए चार साल क्या उन्हें एक दिन के लिए भी यदि सेना की वर्दी मिलती है, तो वह खुशी-खुशी सेना में भर्ती होंगे। कुछ लोग अलगाववाद की प्रेरणा से प्रेरित होकर इसका विरोध कर रहे हैं।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

अब्दुल्ला आजम से ईडी ने की छह घंटे पूछताछ

» जौहर ट्रस्ट में हुई फंडिंग और खातों में आए पैसों पर मांगी जानकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। आजम खां के बेटे और सपा विधायक अब्दुल्ला आजम से प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने छह घंटे तक पूछताछ की है। यह पूछताछ आजम खां के खिलाफ दर्ज आय से अधिक संपत्ति के साथ-साथ रामपुर की जौहर ट्रस्ट में हुई फंडिंग और बैंक खातों में आए पैसों के आधार पर की गई है। अब्दुल्ला को संबंधित दस्तावेजों के साथ बृहस्पतिवार को फिर पूछताछ के लिए दोबारा बुलाया गया है।

ईडी के सूत्रों ने बताया कि पूछताछ के दौरान अब्दुल्ला से उनके बैंक खातों में जमा किए गए पैसों के बारे में जानकारी मांगी गई। साथ ही जौहर यूनिवर्सिटी में जौहर ट्रस्ट के जरिए हुई फंडिंग से जुड़े सवाल भी पूछे गए। ईडी अधिकारियों के कई सवालों का जवाब अब्दुल्ला आजम नहीं दे सके। उन्होंने पेपर देखकर बताने की बात कही, जिस पर अधिकारियों ने उन्हें बैंक डिटेल, संपत्तियों में किए गए निवेश और आय के क्या-क्या स्रोत रहे हैं।

नये अध्यक्ष पर उलझन में भाजपा अभी तक तय नहीं कर सकी नाम

» जातीय-क्षेत्रीय समीकरण पर मंथन करने में जुटे शीर्ष नेता

» कई जातियों के नाम अध्यक्ष पद की दौड़ में शामिल

» राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के बाद अब जल्द हो सकता है नाम का ऐलान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सरकार गठन के सौ दिन बाद भी भाजपा अभी तक प्रदेश में पार्टी अध्यक्ष का नाम तय करने को उलझन में फंसी है। शीर्ष नेतृत्व नाम फाइनल करने के पहले लोक सभा चुनाव के लिए जातीय-क्षेत्रीय समीकरण पर मंथन कर रही है। हालांकि, प्रदेश कार्यसमिति के बाद भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक भी हो चुकी है। धरातल पर चुनावी अभियानों को गति दी जानी है। उम्मीद की जा रही है कि जल्द ही नए प्रदेश अध्यक्ष की घोषणा हो जाएगी।

उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव 2022 में भाजपा लगातार दूसरी जीत का इनाम प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह को देते हुए उन्हें योगी सरकार में जलशक्ति मंत्री बना दिया है। एक व्यक्ति, एक पद का सिद्धांत पार्टी में लागू है इसलिए तय है कि स्वतंत्र देव के स्थान पर नए प्रदेश अध्यक्ष की नियुक्ति की जाएगी। यूपी में सरकार गठन के बाद से मंथन चल रहा है कि पार्टी प्रदेश में संगठन के मुखिया का जिम्मा किस वर्ग के कार्यकर्ता को सौंपेगी। पार्टी के भीतर ही कई तर्क हैं, मसलन 2014 और 2019 के लोक सभा चुनाव की तरह 2024 को ध्यान में रखते हुए ब्राह्मण को प्रदेश अध्यक्ष बनाया जाएगा या विधान सभा चुनाव में बसपा से विमुख होकर भाजपा की ताकत बढ़ाने वाले दलित वर्ग को पार्टी आकर्षित करना चाहेगी।

यह चर्चा भी गर्म है कि विधान सभा में तमाम चुनौतियों के बावजूद भाजपा ने शानदार सफलता प्राप्त की इसलिए आबादी में सर्वाधिक हिस्सेदारी वाले पिछड़े वर्ग के ही कार्यकर्ता को फिर से मौका दिया जाएगा। स्वतंत्रदेव पिछड़ा वर्ग से आते हैं। उनसे पहले 2017 के विधान सभा चुनाव में भी संगठन का नेतृत्व करने वाले वर्तमान उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भी पिछड़ा वर्ग से थे। इस तरह तीनों जाति वर्गों को लेकर भी कई नाम दौड़ में बताए जा रहे हैं।

कई है दावेदार

पिछड़ा वर्ग से सबसे मजबूत दावेदार केंद्रीय राज्यमंत्री बीएल वर्मा बताए जा रहे हैं। ब्राह्मणों में कई नाम हैं, जैसे पूर्व उपमुख्यमंत्री डॉ. दिनेश शर्मा, पूर्व ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश कुमार, अलीगढ़ के सांसद सतीश गौतम, कन्नौज सांसद सुब्रत पाठक। वहीं, दलित वर्ग से विधान परिषद सदस्य लक्ष्मण आचार्य, सांसद विनोद सोनकर, एमएलसी विद्यासागर सोनकर और इटावा के सांसद डॉ. रामशंकर कठेरिया के नाम की चर्चा है।

जल्द नाम पर बन सकती सहमति

पार्टी में चर्चा है कि हाल ही में राष्ट्रीय कार्यसमिति की बैठक तेलंगाना में हुई है। वहां लोक सभा चुनाव 2024 के लिए अभियानों की रूपरेखा बन चुकी है। अब कार्यक्रम तय होंगे और सभी राज्यों में संगठन तेजी से चुनावी तैयारी में जुटेगा। इसे देखते हुए एक-दो दिन में यूपी के लिए प्रदेश अध्यक्ष के किसी नाम पर सहमति बन जाएगी और संभवत: इसी सप्ताह घोषणा भी हो जाएगी।

विधान परिषद में कांग्रेस का सफर समाप्त

» 113 साल के इतिहास में पहली बार कोई सदस्य नहीं

» यूपी कोटे से राज्य सभा में कांग्रेस पहले ही हो चुकी मुक्त

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद में दस सदस्यों का कार्यकाल खत्म हो गया है। इसमें सपा के 6, बसपा के 3 और कांग्रेस के एक एमएलसी हैं। मगर आजादी के बाद पहली बार विधान परिषद में कांग्रेस शून्य हो गई है। यूपी विधान परिषद में अपने इकलौते सदस्य दीपक सिंह विधान परिषद से रिटायर हो गए हैं। ऐसे में उच्च सदन में देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस जीरो हो गई है। 137 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब विधान परिषद पूरी तरह कांग्रेस विहीन हो गई है। वहीं विधान सभा में पिछले 37 सालों में यह पार्टी 269 से 2 पर जा पहुंची है।

इतिहास में पहली बार ऐसा होगा जब विधान परिषद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व ही नहीं होगा। कांग्रेस के प्रमुख नेता रहे मोतीलाल नेहरू से शुरू हुआ ये सिलसिला उनकी पांचवीं पीढ़ी के समय में खत्म हो रहा है। यूपी कोटे से राज्य सभा में कांग्रेस पहले ही मुक्त हो चुकी है। इस तरह यूपी से न तो संसद के उच्च सदन में और न ही विधान परिषद में, कांग्रेस का कोई सदस्य होगा। इस बार हुए विधान सभा चुनाव में सदस्य संख्या के हिसाब से कांग्रेस सबसे निचले पायदान पर पहुंच गई है। उसके 2 विधायक जीते और 2.5 फीसदी से भी कम वोट मिले हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में विधान परिषद की शुरुआत 5 जनवरी 1887 को हुई थी। तब इसमें 9 सदस्य हुआ करते थे। 1909 में बनाए गए प्रावधानों के तहत सदस्य संख्या बढ़ाकर 46 कर दी गई, जिनमें गैर सरकारी सदस्यों की संख्या 26 रखी गई। इन सदस्यों में से 20 निर्वाचित और 6 मनोनीत होते थे। मोती लाल नेहरू ने 7 फरवरी 1909 को विधान परिषद की सदस्यता ली। उन्हें विधान परिषद में कांग्रेस का पहला सदस्य माना जाता है। पांच जनवरी 1887 को प्रांत की पहली विधान परिषद गठित हुई थी और आठ जनवरी 1887 को थार्नाहिल मेमोरियल हाल इलाहाबाद में संयुक्त प्रांत की पहली बैठक हुई थी। तब से अब तक कभी ऐसा नहीं हुआ जब विधान परिषद में कांग्रेस का प्रतिनिधित्व न रहा हो मगर अब बुधवार से प्रदेश विधान परिषद में कांग्रेस का एक भी सदस्य नहीं रह गया। विधान परिषद के जो दस सदस्य छह जुलाई को रिटायर हो रहे हैं, उनमें छह सपा के, तीन बसपा के एक कांग्रेस व दो भाजपा के सदस्य हैं मगर भाजपा के दो सदस्य फिर से निर्वाचित हुए हैं।

ये दस लोग हुए रिटायर

उत्तर प्रदेश विधान परिषद से कुल 10 सदस्य रिटायर हो गए। इनमें समाजवादी पार्टी के जगजीवन प्रसाद, बलराम यादव, डॉ. कमलेश कुमार पाठक, रणविजय सिंह, रामसुंदर निषाद और शत्रुद्ध प्रकाश शामिल है। इसके अलावा बहुजन समाज पार्टी के अतर सिंह राव, सुरेश कुमार कश्यप और दिनेश चंद्रा का कार्यकाल भी कल खत्म हो गया। साथ ही कांग्रेस के दीपक सिंह भी विधान परिषद सदस्य से रिटायर हो गए जबकि भारतीय जनता पार्टी के दो सदस्य जिनका कार्यकाल खत्म हुआ था, उनको पहले ही विधान परिषद भेजा जा चुका है। इनमें उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और पंचायती राज्य मंत्री चौधरी भूपेंद्र सिंह का नाम शामिल है।

छिन सकती है सपा से विपक्ष की कुर्सी

यूपी विधान परिषद में सपा से विपक्ष की कुर्सी भी छिन सकती है। सदन में भाजपा के सदस्यों की संख्या 66 है जबकि सपा के 11 सदस्य हैं। सपा के सदस्यों की संख्या 6 जुलाई के बाद 10 फीसदी से कम होकर 9 फीसदी हो जाएगी। ऐसे में माना जा रहा है कि विधान परिषद में उसकी विपक्ष की कुर्सी छिन सकती है। हालांकि जानकारों का मानना है कि सभापति सपा को नेता प्रतिपक्ष चुनने के लिए कह सकते हैं अगर सभापति, सपा से नेता चुनने के लिए कहेंगे, तभी विपक्ष की कुर्सी बच सकती है।

कांग्रेस ने जोर लगाया लेकिन नतीजा सिफर

ऐसा नहीं है कि कांग्रेस ने यूपी की राजनीति में वापसी के लिए जोर नहीं लगाया। 2022 के चुनाव में तो पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी ने पूरी कमान अपने हाथ रखी। सड़क पर संघर्ष के जरिए पार्टी को फिर से खड़ा करने की कोशिश की। चुनावी घोषणा पत्र में आधी आबादी सहित हर वर्ग के लिए लोकलुभावन वादे किए लेकिन नजीता सिफर रहा। पार्टी को सिर्फ दो सीटों पर संतोष करना पड़ा। यह यूपी की राजनीति में विधान सभा चुनाव के दौरान कांग्रेस का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महंगाई का कारगर इलाज जरूरी

देश में आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसकी रफ्तार पर ब्रेक नहीं लग रहा है। एक ओर रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल तो दूसरी ओर दवाओं से लेकर खाद्य पदार्थों तक के दाम आसमान छू रहे हैं। इसके कारण आम आदमी की हालत बेहाल होती जा रही है। उसकी क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। मांग-आपूर्ति में असंतुलन पैदा होने से बाजार की चाल भी डगमगाने लगी है। वहीं केंद्र और राज्य सरकारें महंगाई का कोई कारगर उपाय खोजने में नाकाम साबित हो रही हैं। लगता है सरकार ने जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया है। सवाल यह है कि महंगाई पर नियंत्रण क्यों नहीं लगाया जा रहा है? क्या कंपनियों को मनमानी करने की छूट दी जा सकती है? मूल्य नियंत्रण के लिए जरूरी कदम क्यों नहीं उठाए जा रहे हैं? मूलभूत आवश्यकता की वस्तुओं को महंगाई के दायरे से बाहर क्यों नहीं रखा जा रहा है? क्या लोगों को बेहतर जीवन उपलब्ध कराना सरकार की जिम्मेदारी नहीं है? क्या क्रय शक्ति में आ रही गिरावट देश की अर्थव्यवस्था को बेपटरी नहीं कर देगी?

पहले कोरोना और अब महंगाई ने पूरी दुनिया को हिलाकर रख दिया है। आर्थिक महाशक्ति अमेरिका, जापान और जर्मनी भी महंगाई से दो चार हो रहे हैं। वहीं भारत में हालात लगातार बिगड़ रहे हैं। पिछले दो साल में यहां हर वस्तु के दामों में भारी इजाफा हुआ है। एक साल के भीतर घरेलू रसोई गैस सिलेंडर के दाम में करीब ढाई सौ रुपये का इजाफा हो चुका है तो दवाओं के दामों में 18 से 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। यही हाल पेट्रोल और डीजल समेत खाद्य पदार्थों की है। बढ़ती महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यमवर्ग और गरीबों पर पड़ रहा है। कोरोना काल में नौकरी-रोजगार से हाथ धो चुके लाखों लोगों को दो जून की रोटी जुटाना मुश्किल होता जा रहा है। उनकी क्रय शक्ति में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इसके कारण बाजार की हालत भी खराब हो गयी है। इसमें कोई शक नहीं है कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक महंगाई में इजाफा किया है। दुनिया के सामने खाद्यान्न का संकट पैदा हो चुका है। लिहाजा केंद्र और राज्य सरकारों को बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण के लिए जरूरी कदम उठाना चाहिए। सरकार को चाहिए कि वह न केवल जरूरी वस्तुओं के मूल्यों पर नियंत्रण लगाए बल्कि लोगों की क्रय शक्ति बढ़ाने के लिए रोजगार के साधनों का द्रुतगति से विस्तार करे। महंगाई का स्थायी समाधान निकाले बिना देश की अर्थव्यवस्था को पटरी पर नहीं लाया जा सकता है। यदि सरकार ने महंगाई पर नियंत्रण के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए तो हालात बेहद खराब हो जाएंगे और देश आर्थिक मंदी की चपेट में आ जाएगा।

“ देश में आम आदमी पर महंगाई का बोझ बढ़ता जा रहा है। इसकी रफ्तार पर ब्रेक नहीं लग रहा है। एक ओर रसोई गैस, पेट्रोल और डीजल तो दूसरी ओर दवाओं से लेकर खाद्य पदार्थों तक के दाम आसमान छू रहे हैं। इसके कारण आम आदमी की हालत बेहाल होती जा रही है। उसकी क्रय शक्ति लगातार कम हो रही है। मांग-आपूर्ति में असंतुलन पैदा होने से बाजार की चाल भी डगमगाने लगी है।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

दक्षिण में प्रसार पर भाजपा का जोर

आर. राजागोपालन

भाजपा का नया नारा 'दक्षिण की ओर देखो', विशेषकर 'तेलंगाना पहले, फिर तमिलनाडु' है। इसी को ध्यान में रखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने हैदराबाद में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रखी। इस बैठक से पहले भाजपा के शीर्ष नेताओं ने राज्य के लगभग सभी जिलों का दौरा किया था। प्रधानमंत्री मोदी का दो दिवसीय प्रवास और उनके भाषण सत्तारूढ़ क्षेत्रीय दल पर भारी पड़े। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव द्वारा उनका बहिष्कार लोगों को रास नहीं आया। मोदी ने इसे अपने पक्ष में भुना लिया। तीन श्रेणियों में हैदराबाद की इस बैठक का विश्लेषण हो सकता है, पार्टी का राजनीतिक लक्ष्य, सांगठनिक महत्व और लाभार्थियों को प्राथमिकता देना। उत्तर प्रदेश में भाजपा की लगातार दूसरी जीत, डबल इंजन के नारे और सपा व बसपा के खिलाफ योगी आदित्यनाथ के असरदार प्रचार ने भाजपा को एक नया तेवर दिया है। इस बैठक को समझने के लिए उत्तर प्रदेश के तरीके और तेलंगाना प्रयोग को मिला कर देखना होगा, जिसका अर्थ है- वंशवाद हो बर्बाद।

भाजपा दो मुख्य विरोधियों- केसीआर की टीआरएस और ओवैसी की मजलिस- को एक साथ मात देना चाहती है। उसकी योजना अगले 25 साल की है अगर भाजपा की हैदराबाद घोषणा का निहितार्थ समझा जाए तो उसमें अमृत काल चमकता दिखेगा, जिसकी अवधारणा प्रधानमंत्री मोदी ने दी है। भाजपा का मुख्य जोर 'घोर परिवारवाद' से मुक्ति है। राष्ट्रीय स्तर पर कांग्रेस से छुटकारा पाने के बाद अगले पांच साल में भाजपा का इरादा परिवारवाद वाले आठ बड़े राज्यों की राजनीति में अपनी ऊर्जा के निवेश का है इसीलिए केसीआर परिवार की ओर संकेत करते हुए 'बाप, बेटा, बेटी की सरकार' की संज्ञा दी गयी। 2013-14 में मोदी ने अपनी सभी 400 रैलियों में 'मां, बेटा, बेटी' कह कर गांधी परिवार के विरुद्ध माहौल बनाया था। हैदराबाद प्रस्ताव में आगामी 25 वर्षों के विकास के पहलुओं का संकेत है। राष्ट्रीय कार्यकारिणी ने मोदी सरकार की कल्याण योजनाओं की प्रशंसा की, जिन्होंने अभूतपूर्व कोविड महामारी में लोगों की मदद में बड़ी भूमिका निभायीं। प्रस्ताव में यह भी रेखांकित किया गया कि सरकार ने आर्थिक वृद्धि और गरीबों की सहायता पर बराबर ध्यान दिया है। गोवा में 2013 में हुई बैठक और उसके बाद के सम्मेलनों में मोदी और शाह ने कांग्रेस के प्रति भाजपा के नरम रुख को त्याग दिया। मोदी ने अन्य पार्टियों के सहयोग से

तथा कांग्रेस, टीआरएस आदि दलों से लोगों को लाकर भाजपा का विस्तार किया है। अब भाजपा बहुत गतिशील हो चुकी है और वह दुनिया की सबसे बड़ी पार्टियों में है। मोदी-शाह की जोड़ी ने भाजपा को ठोस हिंदुत्व की भावनाओं से जोड़ा ताकि दक्षिणपंथ का भारी समर्थन मिले। केवल पांच वर्षों में देश के पूर्वी हिस्से से अमित शाह ने वामपंथी ताकतों को खत्म कर दिया। भाजपा नेतृत्व ने सांगठनिक प्रस्तावों के बारे में मीडिया को बताने की जिम्मेदारी देकर वसुंधरा राजे सिंधिया को फिर आगे किया है। उन्हें बूथ स्तर के व्हाट्सएप ग्रुप का जिम्मा भी दिया गया है, जो भाजपा काडरों को एक मंच पर लाने का शानदार विचार है। प्रधानमंत्री मोदी ने कई भाषणों में बिना किसी भेदभाव के लोगों तक लाभ पहुंचाने की बात कही है। भाजपा के लिए लाभार्थी एक मतदाता श्रेणी बन गये हैं तथा पार्टी ने इसे राष्ट्रवाद व हिंदुत्व के मुख्य मुद्दों के साथ शामिल किया है। हर घर तिरंगा अभियान शुरू होना है तथा पार्टी के पदाधिकारी लाभार्थियों से संपर्क करेंगे। विपक्ष के पूरी तरह कमजोर होने की मौजूदा स्थिति में भाजपा ने अगले 25 वर्षों के लिए योजना बनायी है। इसी दृष्टिकोण से हैदराबाद की बैठक को देखा जाना चाहिए। 2014 में अमित शाह ने मुझे बताया था कि वे पूर्वोत्तर पर ध्यान केंद्रित करेंगे, फिर 2019 में उन्होंने कहा कि 18 राज्यों में भाजपा शिखर पर पहुंच चुकी है और अब दक्षिण की ओर रुख करने का सही समय आ गया है। गरीबी उन्मूलन और विकास भाजपा, खासकर प्रधानमंत्री मोदी, की राजनीतिक सोच के केंद्र में हैं। भ्रष्टाचार और वोट बैंक राजनीति गरीबी मिटाने की राह की बड़ी बाधाएं हैं, जिन्हें आठ सालों में मोदी ने प्रभावी ढंग से संभाला है। उन्होंने हमेशा दावा किया है कि उन्होंने तीन करोड़ गरीब परिवारों को उबारा है और उन्हें विभिन्न कल्याण योजनाओं से लखपति बना दिया है। ग्रामीण मतदाताओं में भाजपा की नीतियों को लोकप्रिय सिद्धांत बना दिया है। अब भाजपा का नेतृत्व अमित शाह, योगी आदित्यनाथ, हेमंत बिस्वा सरमा जैसे अगली पीढ़ी के नेताओं के हाथ में सौंपा जा रहा है तथा उससे भी आगे पार्टी को ले जाने के लिए देवेंद्र फड़नवीस, अनुराग ठाकुर, तेजस्वी सूर्या, के अन्नामलाई, निशीथ प्रमाणिक जैसे कई नेता हैं।

ई-ट्रांसमिशन पर शुल्क आवश्यक

अश्विनी महाजन

इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क के स्थगन को विश्व व्यापार संगठन के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में फिर से एक जीवन मिल गया है जबकि इसके अंत हेतु भारत शुरु से ही 'मुखर प्रयास' कर रहा था। कुछ लोग कहते हैं कि यह अमेरिकी दबाव के कारण हुआ है जबकि दूसरों को लगता है कि भारत ने अन्य 'लाभों' के लिए सौदेबाजी की है। उल्लेखनीय है कि भारत ने कहा था कि वह सीमा शुल्क पर इस रोक का विरोध करेगा क्योंकि इससे हमारे डिजिटल विकास को नुकसान के अलावा राजस्व का भी भारी नुकसान हो रहा है. इसके कारण घरेलू खिलाड़ियों को बड़ी वैश्विक तकनीकी कंपनियों से तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है। यह इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ अधिस्थगन के 'अस्थायी प्रावधान' को दूर करने का प्रयास करने का समय था, जो विश्व व्यापार संगठन की स्थापना के बाद से चल रहा है।

संगठन की शुरुआत के समय इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों का व्यापार बहुत सीमित था। ऐसी स्थिति में 1998 में हुए संगठन के दूसरे मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के व्यापार पर टैरिफ को अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था और इस बीच विकास की जरूरतों के संदर्भ में वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक व्यापार से संबंधित मुद्दों का अध्ययन करने का निर्णय लिया गया था। यह विकसित देशों के अनुरोध पर हुआ था। दुर्भाग्यपूर्ण है कि विकसित देश इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के आयात पर शुल्क लगाने के निर्णय को कई बहाने से स्थगित करते रहे। आज स्थिति यह है कि अकेले भारत में ही 30 बिलियन डॉलर से अधिक के ऐसे उत्पाद आयात किये जा रहे हैं अगर इन पर 10 फीसदी टैरिफ भी लगा दिया जाए तो सरकार को तीन अरब डॉलर से ज्यादा का राजस्व मिलेगा। एक हालिया अध्ययन के अनुसार, विकासशील देश 2017-2019 की अवधि में सिर्फ 49 डिजिटल उत्पादों के आयात से 56 बिलियन डॉलर के राजस्व की प्राप्ति कर सकते थे जबकि अति अल्पविकसित देश आठ बिलियन डॉलर का राजस्व प्राप्त कर सकते थे जो उनकी आबादी के टीकाकरण के लिए आवश्यक राशि से भी दोगुना है। मुद्दा केवल राजस्व के नुकसान का ही नहीं है, यह भारत जैसे देश के विकास के लिए बहुत बड़ा मुद्दा है। हमारी कंपनियां विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने में सक्षम हैं। हम फिल्में और अन्य मनोरंजन उत्पाद बना सकते हैं, लेकिन जब ऐसे सभी उत्पादों को बिना किसी शुल्क के आयात किया जाता है तो उन्हें स्वदेशी रूप से उत्पादित करने के लिए बहुत कम प्रोत्साहन मिलता है। ई-उत्पादों पर यह टैरिफ स्थगन अमेरिका, यूरोपीय देशों और चीन को लाभान्वित करते हुए आत्मनिर्भर भारत के प्रयासों को नुकसान पहुंचा रहा है। सम्मेलन में भारत ने साहसिक रुख के साथ शुरुआत की और वाणिज्य मंत्री ने कहा कि 'मुझे लगता है कि 24 वर्षों से जारी इस स्थगन की समीक्षा की जानी चाहिए और इसका पुनरावलोकन होना चाहिए। इस हेतु कार्य योजना कार्यक्रम को फिर से मजबूत करने की आवश्यकता है और विकासशील देशों को अपनी अर्थव्यवस्थाओं में डिजिटल क्षेत्र के योगदान को जारी रखते हुए घरेलू उद्यमों को एक समान अवसर प्रदान करने के लिए प्रयास करना चाहिए।'

यह पहला ऐसा सम्मेलन था, जहां विकसित देशों को विकासशील देशों के कुछ प्रतिरोध का सामना करना पड़ा। इससे एक उम्मीद जगी थी कि टैरिफ अधिस्थगन आखिरकार खत्म हो जायेगा लेकिन इस लड़ाई में भी हार हुई और लाभ, जो निकट दिख रहा था, फिर से विकासशील देशों के हाथों से निकल गया। 1998 से डिजिटलीकरण बहुत आगे बढ़ गया है, डिजिटल क्रांति ने ऑनलाइन व्यापार को बदल दिया है। कई ऐसे डिजिटल उत्पाद हैं, जो तेजी से भौतिक उत्पादों की जगह ले रहे हैं। स्वास्थ्य, फिनटेक, सार्वजनिक सेवाओं और कई अन्य डिजिटल उत्पादों में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, 3डी प्रिंटिंग के शामिल होते हुए, इन सेवाओं के लिए मांग के प्रकार बदल रहे हैं। इस डिजिटल युग में भारत ने डिजिटल वाणिज्यिक और सार्वजनिक सेवाओं, डिजिटल भुगतान और सरकारी हस्तांतरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है। सॉफ्टवेयर में निश्चित तौर पर भारत की ताकत को कम कर नहीं आंका जा सकता। हाल ही में भारत ने स्वदेशी 5जी में विशेष उपलब्धि हासिल की है। हमने स्वयं के डिजिटल उत्पादों को विकसित करना शुरू कर दिया है और उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन योजना को हमारे शिशु डिजिटल उत्पाद उद्योगों के पोषण के लिए तैयार किया गया है। बहुत सारे वीडियो गेम, संगीत, फिल्में और ओटीटी सामग्री आदि सहित ऐसी अन्य वस्तुओं को अधिस्थगन के कारण सीमा शुल्क से मुक्त प्रसारित किया जा रहा है।

यदि यह स्थगन समाप्त हो जाता है, तो ऐसी विलासिता की वस्तुओं की विशिष्ट खपत कम हो जायेगी। इससे विदेशी मुद्रा बचाने में मदद मिलेगी और सरकार को राजस्व के रूप में लाभ भी होगा, जिसका उपयोग विकास और लोक कल्याण के लिए किया जा सकता है। जब से बड़ी टेक कंपनियों को ज्ञात हुआ कि भारत और अन्य विकासशील देश टैरिफ स्थगन को समाप्त करने पर जोर दे रहे हैं, उन्होंने सरकारों के माध्यम से इन प्रयासों को विफल करने के प्रयास शुरू कर दिये। विकसित देशों ने मजबूत प्रयास किया और हमेशा की तरह उन्होंने विश्व व्यापार संगठन के 12वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन में भी स्थगन को नवीनीकृत करने के लिए सभी राजनयिक और दबाव वाली रणनीति का इस्तेमाल किया जबकि विकासशील देश 'विशेष और विभेदक उपचार' की मांग कर रहे हैं, विकसित देश रिवर्स एस एंड डीटी का आनंद ले रहे हैं. यह खत्म होना ही चाहिए। भारत को इसे समाप्त करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन की परिभाषा, इसके दायरे और प्रभाव आगे बढ़ने में कोई कसर नहीं छोड़नी चाहिए।

कुर्बानी के तौर पर मनाया जाता है बकरीद

बकरीद इस्लाम धर्म को मानने वालों का प्रमुख त्योहार है। इसे ईद-उल-अजहा भी कहा जाता है। ईद-उल-अजहा का अर्थ कुर्बानी वाली ईद से है। इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, ईल-उल-अजहा का पर्व 12वें महीने की 10 तारीख को मनाया जाता है। ईद-उल-फित्र के बाद ये इस्लाम धर्म का दूसरा बड़ा त्योहार है। ये त्योहार रमजान महीने के खत्म होने के 70 दिन बाद मनाया जाता है। इस साल भारत में बकरीद 10 जुलाई 2022, दिन रविवार को मनाए जाने की संभावना है। बकरीद की तारीख चांद के दिखने पर निर्धारित होता है। इस त्योहार को कुर्बानी के तौर पर मनाया जाता है। इस दिन बकरे की कुर्बानी दी जाती है। मुस्लिम समाज के लोगों के लिए ईद का त्यौहार बहुत महत्वपूर्ण होता है। बकरीद मनाने के पीछे हजरत इब्राहिम के जीवन से जुड़ी हुई एक बड़ी घटना है। आइए जानते हैं बकरीद क्यों मनाते हैं और इसका इतिहास क्या है....

10 जुलाई दिन रविवार को भारत में बकरीद मनाए जाने की संभावना है

कुर्बानी का महत्व

इस्लाम में कुर्बानी का बहुत बड़ा महत्व बताया गया है। कुरान के अनुसार कहा जाता है कि एक बार अल्लाह ने हजरत इब्राहिम की परीक्षा लेनी चाही. उन्होंने हजरत इब्राहिम को हुक्म दिया कि वह अपनी सबसे प्यारी चीज को उन्हें कुर्बान कर दें। हजरत इब्राहिम को उनके बेटे हजरत ईस्माइल सबसे ज्यादा प्यारे थे। अल्लाह के हुक्म के बाद हजरत इब्राहिम ने ये बात अपने बेटे हजरत ईस्माइल को बताई। बता दें हजरत इब्राहिम को 80 साल की उम्र में औलाद नसीब हुई थी, जिसके बाद उनके लिए अपने बेटे की कुर्बानी देना बेहद मुश्किल काम था लेकिन हजरत इब्राहिम ने अल्लाह के हुक्म और बेटे की मुहब्बत में से अल्लाह के हुक्म को चुनते हुए बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया। हजरत इब्राहिम ने अल्लाह का नाम लेते हुए अपने बेटे के गले पर छूरी चला दी लेकिन जब उन्होंने अपनी आंख खोली तो देखा कि उनका बेटा बगल में जिंदा खड़ा है और उसकी जगह बकरे जैसी शक्ल का जानवर कटा हुआ लेटा हुआ है। जिसके बाद अल्लाह की राह में कुर्बानी देने की शुरूआत हुई।

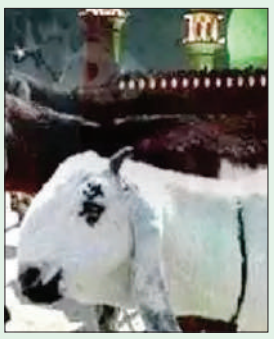

ईद और बकरीद में अंतर

इस्लामिक कैलेंडर के अनुसार, साल में दो बार ईद मनाई जाती है, एक ईद-उल-जुहा और दूसरी ईद-उल-फितर। ईद-उल-फितर को मीठी ईद भी कहा जाता है। इसे रमजान को खत्म करते हुए मनाया जाता है। मीठी ईद के करीब 70 दिन बाद बकरा ईद यानी बकरीद मनाई जाती है।

बकरीद का इतिहास

इस्लाम धर्म के अनुसार, हजरत इब्राहिम खुदा के बंदे थे, उनका खुदा में पूर्ण विश्वास था। पैगंबर हजरत इब्राहिम से ही कुर्बानी देने की प्रथा शुरू हुई थी। कहा जाता है कि अल्लाह ने एक बार पैगंबर इब्राहिम से कहा था कि वह अपने प्यार और विश्वास को साबित करने के लिए सबसे प्यारी चीज का त्याग करें। इसके बाद पैगंबर इब्राहिम ने अपने इकलौते बेटे की कुर्बानी देने का फैसला किया। वहीं जब पैगंबर इब्राहिम अपने बेटे को मारने वाले थे तभी अल्लाह ने अपने दूत को भेजकर बेटे को एक बकरे से बदल दिया था। तभी से बकरीद का त्योहार पैगंबर इब्राहिम के विश्वास को याद करने के लिए मनाया जाता है। इस त्योहार को नर बकरे की कुर्बानी देकर मनाते हैं। इसे तीन भागों में बांटा जाता है, पहला भाग रिश्तेदारों, दोस्तों और पड़ोसियों को दिया जाता है। दूसरा हिस्सा गरीबों और जरूरतमंदों और तीसरा परिवार के लिए होता है।

हंसना मना है

लड़की- यार कल तो मैं परेशान हो गई बॉयफ्रेंड- वो कैसे?लड़की- यार बस स्टॉप पर एक घंटे तक बस ही नहीं आई फिर मैंने BMW खरीदी बॉयफ्रेंड- वाओ तुमने BMW खरीद ली क्या? लड़की- और क्या BMW यानि बिलसेरी मिनिरल वाटर अरे बहुत तेज प्यास जो लगी थी। लड़का हसंते-हंसते हो गया लोटपोट!

मिंकी- क्या हुआ रो क्यों रही हो? सहेली- मैं तो लुट गयी बर्बाद हो गयी मिंकी- क्यों पति में पिटाई की क्या? सहेली- मेरे पति का ऑफिस में एक लड़की से चक्कर चल रहा है मिंकी- तुमको कैसे पता? सहेली- मेरे बॉयफ्रेंड ने कल उनको एक लड़की के साथ देखा था.

नई नवेली बहू घर आई, देवर के बच्चे- आइसक्रीम बना के खिला दो, बहू आइसक्रीम बनाने के लिए रेसिपी बुक प?ने लगी थोड़ी देर बाद सास चिल्लाई- बहू ये फ्रिज में मंदिर का घंटा क्यों रखा है? बहु शरमाते हुए बोली- माता जी, किताब में लिखा था कि दूध में चीनी डालकर 1 घंटा फ्रिज में रखें, मैंने रख दिया.
सास बेहोश?

आप भी निगाहें उस शख्स को खोज रही हैं, जिसने कहा था बस दसवीं कर ले फिर मामला सेट है।

कहानी: मगरमच्छ और चालाक बन्दर

एक समय की बात है। एक नदी के किनारे एक बड़ा सा जामुन का पेड़ था, जिस पर एक बन्दर रहता था। बन्दर हर रोज मीठे मीठे जामुन खाता और कुछ जामुन नीचे पानी में भी गिरा देता जहां एक बड़ा सा मगरमच्छ रहता था। जब मगरमच्छ बंदर द्वारा गिराये हुए मीठे जामुन खाता तो वो भी बड़ा खुश होता। इस प्रकार कुछ दिनों तक ऐसा ही चलता ही रहा और धीरे धीरे दोनों में गहरी दोस्ती हो गई। एक दिन मगरमच्छ अपने साथ कुछ मीठे जामुन लेकर अपनी पत्नी के पास गया और कहां कि ये सारे फल मेरे सबसे अच्छे दोस्त ने तुम्हारे लिए भेजे है। लो मजे से खाओ। मगरमच्छ की पत्नी से जब जामुन खाये तो वो खुश होकर कहने लगी कि अरे वाह तुम्हारे दोस्त ने तो बड़े ही मीठे जामुन भेजे है। लेकिन वो तो रोज ही ऐसे मीठे जामुन खाता होगा तो सोचो उसका दिल कितना मीठा होगा। इसलिए अब तुम मेरे लिए उस बंदर का दिल लेकर आओ क्यूंकि अगली बार तो मुझे उसका मीठा दिल ही खाना है। अगर तुम ऐसा नहीं करोगे तो मैं भी खाना पीना छोड़ दूंगी। मगरमच्छ क्या करता पत्नी की जिद के आगे मजबूर था। इसलिए अब वो बंदर के पास गया और बंदर से बोला-दोस्त। तुम्हारे मीठे जामुन खाकर मेरी पत्नी बहुत खुश हुई और उसने तुम्हारी खूब तारीफ भी की। और आज उसने तुम्हें दावत पे बुलाया है। इसलिए क्या तुम मेरे साथ घर चलोगे? बंदर ने कहा-हां क्यों नहीं, लेकिन मुझे तो तैरना ही नहीं आता। मैं तुम्हारे साथ कैसे चलू? मगरमच्छ ने कहा कि तुम चिंता मत करो, मैं हूं न। तुम मेरी पीठ पर बैठ जाना, मैं तुम्हें ले चलूंगा। बंदर ने मगरमच्छ की बात मान ली और वो मगरमच्छ की पीठ पर बैठ गया। थोड़ी दूर चलने के बाद मगरमच्छ ने बन्दर से कहा कि मेरे दोस्त! मुझे तुमसे एक बात कहनी है। मेरी पत्नी तुम्हारा कलेजा खाना चाहती है। इसलिए मैंने तुमसे झूट बोला और तुमको अपने साथ लेकर जा रहा हूं। ये सुनते ही बंदर घबरा गया लेकिन फिर अपने आप पर काबू रखते हुए बोला कि अरे मित्र बस इतनी सी बात! लेकिन ये बात तुमने मुझे पहले क्यों नहीं बताई? क्या तुम्हे नहीं पता कि बंदर अपना दिल पेड़ पर टांग कर रखते है। वो देखो मेरा दिल तो उस पेड़ पर ही टंगा रह गया। चलो अब वापस, उसे लेकर आते हैं। मगरमच्छ ने भी सोचा कि हो सकता है सारे बन्दर अपना दिल पेड़ पर टांग कर रखते होंगे। इसलिए उसने बंदर की बात मान ली और वापस किनारे की ओर चल पड़ा। अब जैसे ही दोनों किनारे पहुंचे बंदर लपककर तुरंत पेड़ पर जा चढ़ा और कहने लगा- मुर्ख मगरमच्छ क्या तुम्हें ये भी नहीं पता कि कोई भी अपना दिल पेड़ पर टांग कर नहीं जी सकता। और तुम तो दुष्ट भी हो, दोस्त के नाम पर तुमने मेरे साथ धोखा किया है। इसलिए आज से हमारी दोस्ती यहीं खत्म।

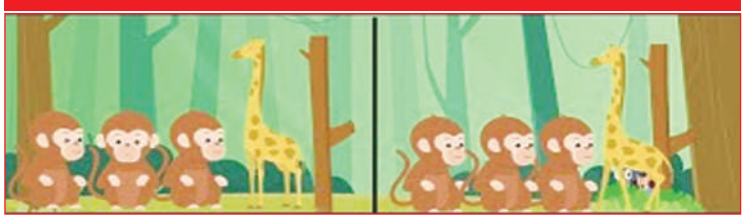

3 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष सकारात्मक विचारों को ही दिमाग में आने दें। जल्दबाजी में निवेश न करें पारिवारिक जिम्मेदारियों को न भूलें। दोस्तों के साथ समय बिताएं फायदे में रहेगा।

वृषभ मन आपको आगे बढ़ने को प्रेरित करेगा। आज का दिन खुद में बदलाव लाने वाला है। आज हर कदम पर जीवन में आपको खुशी तलाशने का अवसर मिलेगा।

मिथुन कोई बड़ी योजनाओं और विचारों के जरिए आपका ध्यान आकर्षित कर सकता है। किसी भी तरह का निवेश करने से पहले उस व्यक्ति के बारे में जाँच-पड़ताल कर लें।

कर्क दिन मौज-मस्ती में बीतेगा। परिवार वालों के साथ अच्छा टाइम बिताने का मौका मिलेगा, कहीं घूमने जा सकते हैं। करियर में कुछ नया बदलाव लाने की सोचेंगे।

सिंह किसी सृजनात्मक काम में खुद को व्यस्त रखना बेहतर रहेगा। साथ ही बीमारी से जूझने के लिए खुद को उत्साहित करते रहें। बातों को लेकर परेशान न हो।

कन्या दिन पॉजिटिविटी से भरा रहेगा। परेशानियों से छुटकारा मिलेगा। आज इंजीनियर्स को किसी मल्टीनेशनल कंपनी से जॉब ऑफर आएगा।

तुला आपका व्यक्तित्व आज इत्र की तरह महकेगा और सबको आकर्षित करेगा। जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।

वृश्चिक आज आपका पारिवारिक जीवन सुखी रहेगा। आज परिवार वालों के साथ पिकनिक पर जा सकते हैं। आज किसी बात पर दोस्त के साथ थोड़ी अनबन हो सकती है।

धनु अच्छी चीजों को ग्रहण करने के लिए आपका दिमाग खुला रहेगा।जिन लोगों को आप जानते हैं, उनके जरिए आपको आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।

मकर जीवन में सकारात्मक बदलाव आ सकते हैं। पुराने रूके हुए काम आज पूरे हो जाएंगे, आपको सच्ची लगन से प्रयास करना होगा।

कुम्भ गाड़ी चलाते समय सावधान रहें, खास तौर पर मोड़ पर। नहीं तो आपको भुगतना पड़ सकता है। आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे।

मीन आज आपको कोई शुभ समाचार मिल सकता है। अविवाहितों के लिए आज कोई अच्छा रिश्ता आ सकता है। आज पूरा दिन मेहनत करने में बीतेगा।

बॉलीवुड | मन की बात

रास्ते में रोती थी और लगा था कि मेरा टाइम खत्म हो गया: दीपिका सिंह

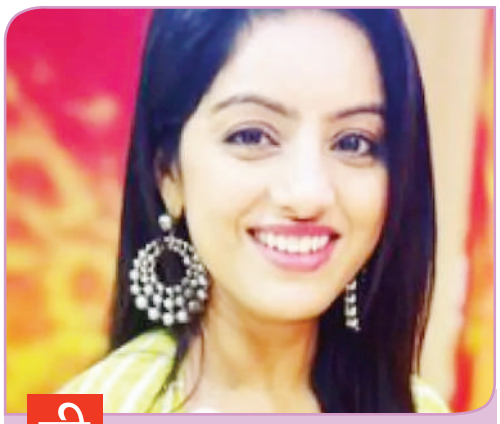

दीपिका सिंह टीवी इंडस्ट्री का बहुत बड़ा नाम रही हैं। दीया और बाती शो में संध्या के नाम से घर-घर पहुंचीं दीपिका अब बॉलीवुड में एंट्री के लिए तैयार हैं। दीपिका फिल्म टीटू अंबानी से अपनी ये पारी शुरू करेंगी। हालांकि टीवी से फिल्म तक का सफर दीपिका के लिए आसान नहीं रहा। कभी अपने वजन तो कभी फ्रेश चेहरा न होने के ताने झेल चुकीं दीपिका ने अपनी जर्नी और डेब्यू को लेकर दिल खोलकर बातचीत की। दीपिका कहती हैं कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिल्मों में आऊंगी। कभी इच्छा भी नहीं रही थी। जब आप किसी चीज की प्लानिंग ही नहीं करते हैं, तो टाइम लगा या देरी से डेब्यू किया जैसी बात आती ही नहीं है। फिल्म की कहानी मेरे पति रोहित ने लिखी है। रोहित जब स्क्रिप्ट लेकर जाते थे, तो एक-दो बार मेरा नाम मेकर्स को सजेस्ट भी किया। बहुत से प्रोड्यूसर को पता भी नहीं था कि मैं रोहित की वाइफ भी हूं। कुछ प्रोड्यूसर्स को उनका सुझाव अच्छा भी लगा। पॉजिटिव रिस्पॉन्स जब वहां से मिलने लगे, तो मैंने भी सोचा कि देखते हैं। दीपिका कहती हैं कि हम चाहे कितनी भी बात कर लें बराबरी की लेकिन आज भी बुढ़ापे का सहारा लड़कों को ही माना जाता है। आपकी शादी हो जाए, तो आपके अपने माता-पिता मदद लेने से इनकार कर देते हैं। बस यही मैसेज हमारे इस फिल्म के जरिए देने की कोशिश की जा रही है। शादी के बाद मैं खुद का एक्सपीरियंस शेयर कर सकती हूं। मेरी मां कोई गिफ्ट नहीं लेती है। अगर मैं उसे साड़ी भी गिफ्ट करती हूं, तो वो फौरन मेरे ससुराल आकर सासु मां या किसी और को साड़ी देकर वापस देकर जाती हैं। शादी के पहले तो ऐसा नहीं था।

वाणी संग कोजी हुए रणबीर कपूर

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड के हैंडसम हंक रणबीर कपूर जल्द ही अपनी मचअवेटेड फिल्म शमशेरा में नजर आने वाले हैं। इस फिल्म में रणबीर कपूर और वाणी कपूर अपनी सिजलिंग केमिस्ट्री से फैंस की धड़कनों को तेज करने वाले हैं। इसकी झलक आप रणबीर और वाणी के नए फोटोशूट में देख सकते हैं। दोनों की कोजी तस्वीरें सोशल मीडिया पर छाई हुई हैं।

यशराज फिल्म्स ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर रणबीर और वाणी की नई सुपर सिजलिंग तस्वीरें शेयर की हैं। वाणी कपूर संग रणबीर की रोमांटिक केमिस्ट्री देखकर किसी के भी पसीने छूट सकते हैं। दोनों स्टार्स का अंदाज देखने लायक है। रणबीर और वाणी की फिल्म शमशेरा 22 जुलाई को रिलीज होगी। एक तस्वीर में वाणी कपूर रणबीर की गोद में बैठी हुई नजर आ रही हैं। वाणी कैमरे की ओर देख रही हैं, जबकि रणबीर किसी सोच में गुम दिख रहे हैं। दूसरी फोटो में वाणी कपूर रणबीर संग फुल स्वैग में कोजी पोज देती दिख रही हैं। फैंस रणबीर और वाणी की केमस्ट्री पर अपना दिल हार रहे हैं।

रणबीर और वाणी के फोटोज पर फैंस अलग-अलग रिएक्शन दे रहे हैं। एक यूजर ने फोटोज को हॉट बताया है। वहीं एक अन्य यूजर ने लिखा- शादी हो गई है उसकी, कुछ लिहाज करो। वहीं, कई लोग रणबीर को सिल्वर स्क्रीन पर देखने के लिए अपनी एक्साइटमेंट शो कर रहे हैं। हम जानते हैं कि आप भी रणबीर की फिल्म का बेकरारी से इंतजार कर रहे हैं। बस कुछ दिन का इंतजार और करना होगा। खैर ये बताइए आपको रणबीर और वाणी की केमिस्ट्री कैसी लगी?

शाहरुख खान की जवान में हुई विजय सेतुपति की एंट्री

शाहरुख खान अपनी अपकमिंग फिल्मों की वजह से चर्चा में हैं। लंबे समय से दर्शक बड़े पर्दे पर अभिनेता की वापसी का इंतजार कर रहे हैं। अभिनेता बेशक चार साल से किसी फिल्म में नजर नहीं आए। लेकिन बीते दिनों में शाहरुख खान ने बैक टू बैक फिल्मों का एलान करके अपने सारे फैंस को खुश कर दिया है। उनको स्क्रीन पर वापसी करते देखना उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं है। उनकी आगामी फिल्मों में से एक फिल्म जवान है। यह फिल्म अपनी घोषणा के साथ ही चर्चाओं में बनी हुई है। जवान में खतरनाक लुक में नजर आने वाले

शाहरुख के साथ इस फिल्म में साउथ की लेडी सुपरस्टार नयनतारा नजर आने वाली हैं। पहले ही इस बात का खुलासा हो चुका है कि शाहरुख की इस फिल्म का सीधा कनेक्शन टॉलीवुड से है। इस बात का खुलासा होते ही दर्शकों के बीच फिल्म के लिए उत्सुकता काफी बढ़ गई है। ऐसे में अब इस फिल्म को लेकर एक और बड़ी अपडेट सामने आ रही है, जिसे सुन किसी को झटका लगेगा और कोई खुशी से झूम उठेगा। वैसे तो चर्चा थी कि तमिल निर्देशक एटली के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में शाहरुख के साथ दीपिका पादुकोण,नयनतारा, सान्या मल्होत्रा, राणा दग्गुबाती और सुनील ग्रोवर अहम भूमिका में नजर आने वाले हैं। लेकिन अब एक रिपोर्ट में दावा किया जा रहा है राणा दग्गुबाती की जगह इस फिल्म में विजय सेतुपति ने ले ली है। जवान के अलावा भी इन दिनों शाहरुख खान कई फिल्मों में बिजी हैं।

अजब-गजब | यहां पढ़ाने को जिंदगीभर की जमापूंजी भी पड़ जाएगी कम

ये है दुनिया का सबसे महंगा स्कूल, एक साल की फीस जानकर रह जाएंगे दंग

गर्मी की छुट्टियां समाप्त हो चुकी हैं और स्कूल खुल गए हैं। ऐसे में तमाम मां-बाप को अपने बच्चों के एडमिशन की चिंता सताने लगती है। वह अपने बच्चे के लिए न सिर्फ अच्छा स्कूल तलाशते हैं बल्कि उनकी खोज इस बात के लिए भी होती है कि उनकी इनकम के मुताबिक ही स्कूल की फीस हो। हमारे देश के छोटे शहरों में भले ही स्कूलों की फीस कुछ हजार रुपये तक हो लेकिन आज हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे स्कूलों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां की फीस सुनकर यकीनन आप हैरान हो जाएंगे।

इन स्कूलों की फीस इतनी है कि आपकी जिंदगीभर की जमापूंजी भी एक साल की फीस के लिए कम पड़ जाएगी। हम बात कर रहे हैं स्विट्जरलैंड की खूबसूरत वादियों में मौजूद सभी स्कूलों के बारे में। यहां के स्कूलों को यूरोप के सबसे महंगे स्कूलों में गिना जाता हैं। जिनकी सालभर की फीस 56 लाख रुपये से शुरु होती है। इनमें से सबसे महंगा स्कूल इंस्टीट्यूट ले रोसेय है, जो यहां का सबसे मशहूर और

पुराना स्कूल है। इस स्कूल की खास बात यह हैं कि यहां से स्पेन, इजिप्ट, बेल्जियम, ईरान और ग्रीस के राजाओं ने अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की थी। बता दें कि इस स्कूल को पॉल कर्नल ने साल 1880 में बनवाया था। इस स्कूल में यूरोप और दुनियाभर के अमीर परिवारों के बच्चे पढ़ते हैं। यहां हर बच्चे की सालाना फीस लगभग 130,000 यानी करीब 98 लाख रुपये से भी ज्यादा। दो कैंपस वाला यह दुनिया का अकलौता बोर्डिंग स्कूल है जो किसी प्राइवेट रिजॉर्ट से कम नहीं हैं। इस स्कूल में टेनिस कोर्ट, शूटिंग रेंज, एक्वेस्ट्रेन सेंटर करीब 400 करोड़ रुपये की लागत से बना हुआ कॉन्सर्ट हॉल जैसी कई सविधाएं बच्चों को उपलब्ध कराई जाती है। वहीं स्कूल के विंटर कैंप में स्कीइंग की अलग से सुविधा दी गई है। सभी तरह की सुख-सुविधाओं वाला इस स्कूल टीचर्स की भी कमी नहीं है। इस स्कूल में कुल 420 छात्रों को पढ़ाने के लिए 150 टीचर रखे गए हैं। यानी औसतन एक क्लास में 10 छात्रों से भी कम संख्या रहती है, ताकि टीचर सभी पर बराबर ध्यान दे सकें। इसके साथ ही स्कूल में 30 सीटें यहां के टीचर्स के बच्चों के लिए रिजर्व रखी जाती है।

कोबरा सांपों के साथ रहते हैं इस गांव के लोग, करते हैं दोस्तों जैसा व्यवहार

सांप का नाम सुनते ही ज्यादातर लोगों के रोंगटे खड़े हो जाते हैं, लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो सांपों के साथ दोस्तों जैसा व्यवहार करते हैं। आज हम आपको एक ऐसे ही गांव के बारे में बताने जा रहे हैं जहां के लोगों को सांपों से जरा सा भी डर नहीं लगता। बल्कि वे सांपों को अपना दोस्त समझते हैं और उनके साथ रहते हैं। यही नहीं ये लोग ऐसे वैसे सांपों के साथ नहीं रहते बल्कि कोबरा सांपों से साथ रहना इन्हें बेहद पसंद है। ये अनोखा गांव महाराष्ट्र में स्थित है। इस गांव के लोग सांपों के साथ रहते हैं और उनकी पूजा भी करते हैं। ये गांव महाराष्ट्र में पूणे से लगभग 200 किमी दूर शोलापुर जिले में स्थित है जिसका नाम शेतपाल है। महाराष्ट्र के शेतपाल गांव में लोग सापों का खुले दिल से स्वागत करते हैं। सबसे हैरानी की बात यह है कि लोग किसी दूसरे सांप नहीं बल्कि जहरीले सांप कोबरा को रहने देते हैं। इस गांव सांपों की आवाजाही पर रोक तक नहीं है. अब आपको यह सुनकर यकीन नहीं हो रहा होगा, लेकिन यह बिल्कुल सच है। इस गांव में कोबरा घूमते हैं, लेकिन कोई कुछ बोलता नहीं है शेतपाल गांव में करीब 2600 लोग रहते हैं और सांप किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचाते हैं। यहां पर लोग कोबरा को घरों में आने देते हैं। गांव के लोग न सांपों से डरते हैं और न सांप किसी को कोई नुकसान पहुंचाते हैं। लोग यहां पर कोबरा की पूजा करते हैं। सबसे हैरानी वाली बात यह है कि अभी तक यहां सांप के किसी को काटने का एक भी मामला सामने नहीं आया है। यहां पर सांप घरों के साथ ही स्कूल के क्लासरूम में भी चले जाते हैं और बच्चे भी इन सापों से नहीं डरते हैं। यहां बच्चे सांपों के बीच पलते और बढ़ते हैं। इस गांव में लोग अगर नए घर का निर्माण कराते हैं, तो सांपों के लिए भी एक छोटी जगह बनवाते हैं। इस जगह को देवस्थानम का नाम देते हैं। इस कोने यानी जगह पर आकर सांप बैठते हैं। यह किसी को जानकारी नहीं है कि सांपों के साथ रहने की परंपरा की शुरुआत कब और कैसे हुई। लेकिन सांप लोगों के जीवन का हिस्सा बन गए हैं। हालांकि इस गांव में आने वाले डरते हैं तो उनको सलाह दी जाती है कि अपने साथ अंडा, दूध और अच्छी किस्मत लेकर आएं।

फिर डराने लगा कोरोना, 24 घंटे में मिले 18 हजार से अधिक संक्रमित

» संक्रमण से 35 लोगों की मौत पॉजिटिविटी रेट चार फीसदी के पार

» राजधानी दिल्ली समेत कई राज्यों में लगातार बढ़ रहे केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कोरोना फिर डराने लगा है। बीते 24 घंटे के दौरान देश भर में कोरोना के 18930 नए मरीज मिले हैं जबकि इस दौरान 35 लोगों की मौत हो गई। बुधवार के मुकाबले आज करीब ढाई हजार ज्यादा केस आए हैं। देश में एक्टिव केस की संख्या अब 119457 हो गई है जबकि डेली पॉजिटिविटी रेट 4.32 फीसदी पर पहुंच गई है।

महाराष्ट्र में कोरोना के तीन हजार से ज्यादा केस मिले। बुधवार को भी यहां 3142 लोगों को वायरस ने अपनी चपेट में ले लिया था। मुंबई में 695 लोग कोरोना से संक्रमित हुए। अब राज्य में एक्टिव केस की संख्या 19981 पर पहुंच गई है। तमिलनाडु में कोरोना के 2,743 नए मामले दर्ज किए गए। मेडिकल बुलेटिन में कहा गया है कि पिछले 24 घंटों में 1,791 लोग कोरोना से ठीक हुए है। राजधानी चेन्नई में 1,062 नए केस सामने आए।

वहीं दिल्ली में कोरोना संक्रमण के 600 नए मामले सामने आए और महामारी से एक और व्यक्ति की मौत हो गई। दिल्ली में संक्रमण के मामलों की कुल संख्या बढ़कर 19,38,648 हो गई है और मृतकों की संख्या 26,276 पहुंच गई है। छत्तीसगढ़ में पिछले 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस से 220 और लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इसके साथ ही राज्य में कोरोना की चपेट में आने वालों की कुल संख्या 11,55,244 हो गई है।

बाइक फिसलने से गिरे दो मासूमों की मौत माता-पिता घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» इलाज के दौरान तोड़ा दम

मैनपुरी। थाना दन्नाहार क्षेत्र में बाइक फिसलने से सड़क पर गिरकर घायल हुए दो मासूम भाइयों की मौत हो गई जबकि उनके माता-पिता की हालत गंभीर है। दोनों का उपचार सैफई मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। यह दर्दनाक हादसा मैनपुरी-घिरोर मार्ग पर हुआ था।

दन्नाहार क्षेत्र के गांव तिलोकपुर निवासी 30 वर्षीय रोहित कुमार पुत्र जगदीश कुमार पत्नी प्रीति (28 वर्ष) और दोनों बेटों अंशु (उम्र 9 वर्ष) व माहिर (उम्र 4 वर्ष) के साथ बाइक से किसी रिश्तेदारी में गया था। वहां से शाम वापस जा रहा था। घिरोर-मैनपुरी मार्ग पर नीली कोठी के पास अचानक रोहित की बाइक फिसल गई थी, जिससे पति-पत्नी और दोनों बच्चे सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए थे। चारों को मेडिकल यूनिवर्सिटी सैफई के लिए रेफर कर दिया गया था, जहां इलाज के दौरान बुधवार शाम अंशु और आज सुबह माहिर ने दम तोड़ दिया। हादसे में घायल माता-पिता की हालत गंभीर है। दोनों सैफई मेडिकल कॉलेज में भर्ती हैं। मां की स्थिति ज्यादा गंभीर बताई गई। अस्पताल प्रशासन की सूचना पर सैफई थाना पुलिस ने दोनों ही भाइयों के शवों का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया। हादसा मंगलवार को हुआ था।

नौकरी पाने के लिए बदल दिया पिता का नाम, बर्खास्त

» फर्जी प्रमाण पत्र बनवाया वेतन रिकवरी के आदेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अमरोहा। फर्जी प्रमाण पत्र के जरिये मृतक आश्रित की नौकरी करने वाले कर्मी को पालिका प्रशासन ने बर्खास्त कर दिया है। साथ ही ईओ ने 15 दिन के अंदर वेतन रिकवरी के निर्देश दिए हैं। अभिलेखों में हेराफेरी कर कर्मी ने तहसील से फर्जी वारिसान प्रमाण पत्र बनवाकर नौकरी हथियाई थी। तहसीलदार की जांच रिपोर्ट में इसका राजफाश होने पर ईओ ने कार्रवाई की है।

शहर के मुहल्ला सराय कोहना निवासी शील कुमार पालिका में कार्यवाहक सफाई नायक के पद पर थे जिनकी मृत्यु 17 नवंबर 2021 में हुई थी। उनके कोई औलाद नहीं थी। आरोप है कि उनके छोटे भाई दुर्वेश कुमार के बेटे विजेंद्र सिंह ने मृतक आश्रित की नौकरी हथियाने के चक्कर में फर्जी अभिलेख तैयार कर लिए। इसके बाद हल्का लेखपाल से साठगांठ कर तहसील से फर्जी वारिसान प्रमाण पत्र बनवा लिया था जिसमें पिता का नाम शील कुमार दिखाया गया। वारिसान प्रमाण पत्र को पालिका ईओ ब्रजेश कुमार के समक्ष प्रस्तुत कर मृतक आश्रित के रूप में नौकरी की दावेदारी कर दी थी। ईओ ने उसे 24 फरवरी 2022 को मृतक आश्रित के रूप में सफाई कर्मी के पद पर नियुक्त कर दिया था। गांव बलदाना के जयपाल सिंह ने एसडीएम सदर से फर्जी वारिसान प्रमाण पत्र जारी करने का आरोप लगाकर जांच कार्रवाई की मांग की थी। तहसीलदार द्वारा जांच कराई गई तो वह फर्जी निकला। एसडीएम सदर ने कार्रवाई के लिए पालिका ईओ को जांच रिपोर्ट भेजकर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद ईओ ने आरोपी कर्मी को बर्खास्त कर दिया। साथ ही दो सप्ताह के अंदर वेतन रिकवरी के निर्देश दिए हैं। ईओ ने बताया कि धनराशि जमा न करने पर पालिका उसके खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराकर उसकी चल-अचल संपत्ति से वसूली की जाएगी।

ट्यूशन पढ़ने गए बच्चे की हत्या से सनसनी

शौचालय में मिला शव, एक हिरासत में, पुलिस कर रही मामले की जांच

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देवरिया। लार क्षेत्र के हरखौली गांव में ट्यूशन पढ़ने गए अपहृत बालक का शव शौचालय से बरामद कर लिया गया है। शव बरामद होने के बाद सनसनी फैल गई है। पुलिस इस मामले में एक युवक को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। युवक की भूमिका संदिग्ध बताई जा रही है।

हरखौली गांव के रहने वाले गोरख यादव का छह वर्षीय पुत्र संस्कार यादव गांव के एक विद्यालय में कक्षा दो का छात्र था। बुधवार दोपहर में वह गांव में नरसिंह शर्मा के घर ट्यूशन पढ़ने गया था। काफी देर बाद तक वापस नहीं लौटा तो स्वजनों ने आसपास तलाश शुरू की लेकिन देर शाम तक उनका पता नहीं लगा। रात करीब आठ बजे गांव के बाहर पोखरे के पास उसका कापी-किताब बिखरी मिली थी। एक किताब के बीच पत्र रखकर पांच लाख फिरौती देने की मांग के साथ अपहरण किए जाने की बात लिखी गई थी। स्वजन ने इसकी जानकारी लार पुलिस को दी तो पुलिस छानबीन में जुट गई। भोर में शिक्षक के शौचालय से पुलिस ने शव बरामद किया है। शौचालय में बाहर से ताला बंद था। पुलिस ने ताला तोड़कर शव बरामद किया है। प्रभारी निरीक्षक नवीन सिंह ने बताया कि एक युवक से पूछताछ की जा रही है। बालक की निर्मम हत्या की गई है। बालक के नाक व मुंह में फेविक्विक डाला गया था। हाथ बंधा था और मुंह पर टेप भी लगाया गया था, जिससे उसकी मृत्यु हो गई।

बाइक सवारों ने फाइनेंसर को मारी गोली

मुजफ्फरनगर (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। भोपा क्षेत्र के मोरना में मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने गए फाइनेंसर की बाइक सवारों ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया लेकिन हत्यारों का सुराग नहीं लगा। भोपा थाना क्षेत्र के गांव छछरौली निवासी 42 वर्षीय प्रवीण फाइनेंस का कार्य करता था। वह मोरना में किराए पर मकान लेकर रह रहा था। बुधवार देर रात वह जानसठ रोड स्थित यदुवंशी मेडिकल स्टोर पर दवाई लेने गया था। वह मेडिकल स्टोर पर खड़ा था। इसी दौरान बाइक सवार तीन युवक वहां पहुंचे। एक युवक ने प्रवीण की कमर में तमंचा सटाकर गोली मार दी। गोली चलने से अफरातफरी मच गई। आरोपी बाइक सवार मौके से फरार हो गए। पुलिस ने प्रवीण को भोपा सीएचसी पर भर्ती कराया जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव को मर्चरी भिजवा दिया। उधर, पुलिस ने बाइक सवारों की तलाश में चेकिंग अभियान चलाया लेकिन वे हत्थे नहीं चढ़े। पुलिस घटनास्थल के आसपास की सीसीटीवी फुटेज खंगालने में जुटी है। एसएसआई सत्यनारायण दहिया ने कहा कि बाइक सवार तीन युवकों ने वारदात को अंजाम दिया है। मामले की जांच-पड़ताल की जा रही है। तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज किया जाएगा। प्रथम दृष्टया मामला पति-पत्नी के विवाद का लग रहा है। दोनों अलग-अलग रह रहे थे।

» मेडिकल स्टोर पर दवा लेने गए थे प्रवीण

हेट स्पीच व फेक न्यूज पर लगाम जरूरी

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। देश में सबसे ज्यादा ट्विटर, इंस्टाग्राम, फेसबुक जैसी सोशल मीडिया से भ्रामक जानकारी फैलाने का काम किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर पहचान छिपाकर नफरती विचार फैलाए जा रहे है। ऐसे में सवाल उठता हैं कि आखिर कब लगेगी सोशल साइट्स पर फैल रही हेट स्पीच पर लगाम? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार अमित मिश्रा, एजुकेशनिस्ट डॉ. शैलेंद्र, प्रो. सुधांशु कुमार, राजनीतिक विश्लेषक प्रबल प्रताप शाही और अभिषेक कुमार ने एक लंबी परिचर्चा की।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

डॉ. शैलेंद्र ने कहा कि फेक मीडिया की स्पीड बहुत तेज है जब तक सत्य आता है तब तक 400-500 बार उसे डायवर्ट कर दिया जाता है या शेयर कर दिया जाता है। चैनल पर भी एडिट कर वीडियो व खबरें चल जाती हैं। इस पर गंभीर चिंतन करना होगा।

अमित मिश्रा ने कहा, फेक न्यूज, हेट स्पीच, फेक वीडियो व फेक मीडिया भयावह रूप ले चुकी है। सोशल मीडिया भी ऐसी है। भ्रांतियां फैलाई जा रही है, अब इसमें सही गलत हमें चुनना होगा। फेक न्यूज, हेट स्पीच के लिए सरकार को सख्त होना पड़ेगा। प्रबल प्रताप शाही ने कहा, देश संविधान से चलता है। लोकतांत्रिक देश है, तानाशाही से नहीं चलता है। आईटी सेल जो कर रहे हैं, उनका कुछ नहीं बिगड़ रहा। ऐसे में ऐसी घटनाएं बढ़ेगी। एक तरफ नुपुर शर्मा है लीना है, ऐसे तमाम लोग अपनी टीआरपी के लिए सोशल मीडिया पर भ्रांतियां फैला रहे हैं। इससे लोगों को बचना होगा।

प्रो. सुधांशु कुमार ने कहा, कहानी की कला नई तरीके से कहने की कला भी होती है। सोसाइटियों को व्हाट्सअप इंड्रस्टी मिल गयी हेट स्पीच को फैलाने को। सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहा हेट स्पीच, फेक न्यूज, अगर इस पर रोक लगे तो देश का जो माहौल बन रहा, इस पर भी लगाम लगाई जा सकती है। व्हाटसअप, फेसबुक व ट्वीटर पर भारत ही नहीं, अन्य देशों में भी हेट स्पीच की भ्रांतियां फैलाई जा रही है। लोग गलत दिशा में जा रहे हैं।

स्कूल पर कब्जा सड़क पर पढ़ रहे बच्चे

राजधानी लखनऊ के बच्चे भी चिलचिलाती धूप में सड़क पर बैठकर पढ़ने में मजबूर हैं। दरअसल, लखनऊ शहर के 139 साल पुराने सरकारी सहायता प्राप्त सेंटीनियल इंटर कॉलेज पर शिक्षा माफिया द्वारा कब्जा कर लेने का आरोप है। ऐसे में भवन के अंदर नहीं, बल्कि सड़क पर बच्चों को पढ़ने के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल स्कूल के मामले में आसपास का कोई बोलने को तैयार नहीं, सब चुप है।

पीपीपी मॉडल पर बनाए जा रहे मेडिकल कॉलेज : पाठक

» सरकार के 100 दिन पूरे होने पर डिप्टी सीएम ने की प्रेस कॉन्फ्रेंस, गिनाई उपलब्धियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने सरकार के 100 दिन पूरे होने पर प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सरकार की बड़ी उपलब्धियां गिनाई। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 16 जनपदों में मेडिकल कॉलेज बन रहे है और यह मेडिकल कॉलेज 'पीपीपी मॉडल पर बनाए जा रहे' है। इसी दौरान उन्होंने इस बात की भी जानकारी दी कि एमबीबीएस में 1350 सीटों का इजाफा किया गया है। उन्होंने बताया कि 900 सीटें राजकीय क्षेत्र में, 450 सीटें निजी क्षेत्र में बढ़ी' है।

पीजी पाठ्यक्रम की सीटों में 725 सीटों की वृद्धि की' गई है जबकि नर्सिंग में 2400 सीट तो पैरामेडिकल में 600 सीटों की वृद्धि की गई है। उन्होंने आगे बताया कि ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना की कार्रवाई जारी है, जिससे भंडारण क्षमता में 820 किलोलीटर की वृद्धि होगी। साथ ही उन्होंने बताया कि यूपी में एनसीडीसी का शाखा स्थापित होगी जिसके के लिए लखनऊ में 2.5 एकड़ भूमि हस्तांतरित हो गई है। बृजेश पाठक ने कहा कि प्रदेश में कैशलेस चिकित्सा योजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही 108 एंबुलेंस सेवा में 812 नई एंबुलेंस उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने आगे बताया कि राज्य कर्मचारियों एवं पेंशनर्स के लिए हेल्थ कार्ड बनेगा।

ट्रांसफर पॉलिसी पर भी तोड़ी चुप्पी

डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने ट्रांसफर पॉलिसी पर भी चुप्पी तोड़ी, कहा कि रिपोर्ट के आधार पर जवाब मांगा जाएगा। उन्होंने तबादलों पर जब से जवाब तलब किया है तब से विभागीय अधिकारियों के ही ऐसे लेटर सामने आने लगे हैं जो बताते हैं कि इन तबादलों ने पूरी व्यवस्था गड़बड़ा दी है। ऐसा ही एक लेटर है नेशनल हेल्थ मिशन की डायरेक्टर अपर्णा उपाध्याय का है, जो खुद आईएएस अधिकारी हैं. उन्होंने 2 जुलाई को अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद को पत्र लिखकर तबादलों से पैदा हुई समस्या के बारे में बताया है। अपर्णा ने अपने पत्र में लिखा है कि प्रदेश के 8 जिला स्तरीय अस्पतालों में 3 वर्षीय डीएनबी कोर्स और 2 वर्षीय पोस्ट एमबीबीएस कोर्स चलते हैं। जो डॉक्टर्स के ट्रांसफर हुए, उनमें तमाम ऐसे भी हैं जो इन कोर्स में फैकल्टी हैं। जबकि एनबीई की बंदिश है कि इन कोर्स की प्रत्येक विभाग में 2 टीचिंग फैकल्टी अनिवार्य है।

मथुरा को इंदौर जैसा स्वच्छ बनाएं : हेमामालिनी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मथुरा की सांसद हेमामालिनी ने जिले के विकास कार्यों की समीक्षा की। सभी अधिकारियों को निर्धारित समय पर प्रोजेक्ट पूरा करने के निर्देश दिए। सांसद ने कहा कि किसी प्रोजेक्ट में कोई समस्या आ रही है तो निराकरण कराते हुए काम पूरा कराएं। बरेली हाईवे के लिए जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया एक माह में पूरी करने को कहा। मथुरा को इंदौर जैसा साफ-सुथरा बनाने के निर्देश दिए।

कलक्ट्रेट सभागार में जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति की बैठक के दौरान सांसद हेमा मालिनी ने नेशनल हाईवे और नगर निगम क्षेत्र की सफाई पर संतोष जाहिर करते हुए बेहतर प्रयास करने को कहा। इसके लिए आवश्यक हो तो ओर सफाई उपकरणों की खरीद कर ली जाए। सांसद ने कहा कि मथुरा-इंदौर की तरह साफ-सुथरा रहे, जिससे यहां आने वाले श्रद्धालु एक अच्छी छवि लेकर अपने शहर जाएं और सफाई के मामले में मथुरा का उदाहरण दें। सांसद ने निर्देश दिए कि प्रमुख मंदिरों के आसपास क्षेत्रों से ठेलों को हटाकर अलग से वेंडिंग जोन बनाएं, जिससे आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। उन्होंने कहा कि वैष्णो देवी, प्रेम मंदिर के पास काफी संख्या में ठेला आदि लग जाते हैं, जिससे यातायात एवं

» सांसद ने की विकास कार्यों की समीक्षा

श्रद्धालुओं को परेशानी होती है, जिस पर अपर नगर आयुक्त ने बताया कि प्रेम मंदिर के पास पार्किंगों में वेंडिंग जोन बनाए गए हैं। साथ ही वैष्णो देवी मंदिर के पास से अतिक्रमण को हटा दिया गया है। इस दौरान सांसद ने नमामि गंगे की प्रगति रिपोर्ट मांगी। जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने बताया कि मथुरा को 25 एमएलडी गंगाजल मिल रहा है। सांसद से और अधिक गंगाजल उपलब्ध कराने की मांग रखी। डीएम ने बताया कि 38 करोड़ की योजनाओं से ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर पानी पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। सांसद ने आयुष्मान कार्ड और रेलवे द्वारा किए गए कार्यों की जानकारी प्राप्त की

केशव मौर्य की ससुराल के गांव का बदलेगा नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

प्रयागराज। कौशाम्बी जिला पंचायत की बैठक में ग्राम सभा अफजलपुरवारी का नाम बदलने की पहल शुरू हुई है। सदन में यह प्रस्ताव सदस्य तूफान सिंह यादव ने पेश किया। उन्होंने कहा अफजलपुरवारी का नाम संसद भवन हमले के दोषी आतंकी अफजल के नाम पर है। ऐसे में आतंकी नाम को हटाकर इसका नाम शिवपुर रखने का प्रस्ताव लाया गया है। बताते चलें कि अफजलपुरवारी ग्राम सभा प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य की ससुराल है। वहीं प्रयागराज में प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि शक्तिपीठ शीतलाधाम कड़ा के विकास के लिए 350 करोड़ से अधिक लागत से योजना तैयार कराई जा रही है। मां विंध्यवासिनी की तर्ज पर माता शीतला के दरबार को दिव्य और भव्य बनाया जाएगा।

निजी भूमि, संपत्ति के विवादों में दखल न दें डीएम और एसडीएम : हाईकोर्ट

» एसडीएम को निषेधाज्ञा पारित करने का कोई अधिकार नहीं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निजी भूमि संबंधी विवादों के मामले में गंभीर टिप्पणी की है। कोर्ट ने कहा कि डीएम और एसडीएम निजी भूमि संपत्ति के विवादों में कोई दखल न दें। कोर्ट ने यह भी कहा कि ये प्रशासनिक अफसर सरकार के आदेशों का भी अनुपालन नहीं कर रहे हैं और मनमाना आदेश पारित कर रहे हैं।

कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार के प्रमुख सचिव को मामले को देखने का निर्देश दिया। कहा कि वह इस संबंध में सुधारात्मक उपाय करें।

कोर्ट ने मामले में डीएम मथुरा को याची के प्रत्यावेदन पर तीन हफ्ते में विचार कर निर्णय लेने का निर्देश दिया और कहा कि याची का प्रत्यावेदन सही पाया जाता है तो उसके मामले में प्रशासनिक और पुलिस प्रशासन की ओर से कोई दखल नहीं दिया जाए। कोर्ट ने कहा कि आदेश की कॉपी प्रमुख सचिव को भेज दी जाए। यह आदेश न्यायमूर्ति सुनीता अग्रवाल ने मथुरा की कंस्ट्रक्शन कंपनी श्री एनर्जी डेवलपर्स की याचिका को निस्तारित करते हुए दिया। मामले में याची के अधिवक्ता क्षितिज शैलेंद्र ने तर्क दिया कि याची द्वारा तीन प्लाट क्रय करके मथुरा वृंदावन प्राधिकरण से नक्शे की स्वीकृति मिलने के बाद आवासीय प्रोजेक्ट का निर्माण कराया जा रहा था। एसडीएम को निषेधाज्ञा पारित करने का कोई अधिकार नहीं है। याची ने डीएम के समक्ष प्रत्यावेदन दिया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। हाईकोर्ट ने सुनवाई के दौरान पाया कि शिकायतें लगातार आ रही हैं। इसके बाद कोर्ट ने एसडीएम और डीएम को दखल न देने का आदेश देते हुए प्रमुख सचिव से इस मामले में सुधारात्मक कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।